International Journal of Hindi Research
www.hindijournal.com
ISSN: 2455-2232
Received: 09-11-2021, Accepted: 25-11-2021, Published: 10-12-2021
Volume 7; Issue 6; 2021; Page No. 65-67

# वर्तमान शिक्षा प्रणाली में डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम के शैक्षिक विचारों की उपादेयता

**अरूण कुमार[1], प्रीती यादव[2]**

[1] शिक्षा विभाग, दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, यूनीवर्सिटी आगरा उत्तर प्रदेश, भारत

[2] शोध छात्रा, शिक्षा विभाग, दयालबाग एजूकेशनल इंस्टीट्यूट डीम्ड, डीम्ड यूनीवर्सिटी आगरा उत्तर प्रदेश, भारत

**सारांश**

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी लोगो के मन में जनता के राष्ट्रपति और भारत के मिशाइल मैन के रूप में हमेशा विद्यमान रहेगें। वे एक वैज्ञानिक, सुप्रसिद्ध लेखक उच्च कोटि के शिक्षाविद्व थे। प्रस्तुत शोध अब्दुल कलाम जी के जीवन परिचय, उपलब्धियॉ, उनके शिक्षा सम्बन्धी विचार, तथा इन विचारों की वर्तमान समय में प्रासागिंकता का विस्तार रूप से वर्णन किया गया है। अब्दुल कलाम जी के कहते थे "इन्तजार करने वालों को उतना ही मिलता है जितना कोशिश करने वाले छोड़ देते है।"

**मूलशब्द:** वर्तमान शिक्षा प्रणाली, डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम के शैक्षिक विचारों

## प्रस्तावना

शिक्षा से ही एक इंसान महान नागरिक बनता है और समूचे विश्व में एसे नागरिकों की अवश्यकता है। एसे विचार थे हमारे पूर्व राष्ट्रपति एवं भारत के मिशाइल मैन डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी के। क्यों कि शिक्षा ही है जो सभी इंसानों को अधंकार से प्रकाश की ओर ले जाती है और इंसान को जानवरों से अलग करके आदर्श नागरिक के रूप में तैयार करता है। विश्व के सभी समाजों व कालों में शिक्षा का महत्व समान ही रहा है। मानव जीवन का आधारभूत कारक ही शिक्षा ही है।

## जीवन परिचय

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी का पूरा नाम अबुल पाकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम था। जो भारत के मिशाइल मैन के नाम से सुप्रशिद्ध थे भारत के 11वे निर्वाचित राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी का जन्म 15 अक्टूबर 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम, रामानाथपुरम् जिला के धनुष्कोणि नामक एक मध्यमवर्ग मुश्लिम अंसार परिवार में हुआ था। 15 अक्टूबर भारत में छात्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। इनके पिता का नाम जैनुलाब्दीन था जो न तो अधिक पड़े लिखे थे और नाहीं में पैसे वाले थे। इनके पिता मछुआरों को नाव किराये पर दिया करते थे। माता का नाम अशिअम्मा था जो गृहणी थी। अब्दुल कलाम जी संयुक्त परिवार में रहते थे, जिसका अनुमान इनके परिवार के सदस्यों की संख्या से लगाया जा सकता है। ये स्वयं पॉच भाई और पॉच बहन थे और एक ही घर में तीन परिवार एक साथ रहते थे। कलाम जी के जीवन में उनके पिता का बहुत प्रभाव रहा भले ही वे पढे लिखे नहीं थे फिर भी उनके दिए हुए संस्कार और उनकी मेहनत और लगन अब्दुल कलाम जी के जीवन में आयी और उन्हें आगे बडाने में सहायक रही। अब्दुल कलाम जी की प्रथमिक शिक्षा रामेश्वरम की पंवायत के प्रथमिक विद्यालय में हुई। एक बार इनके शिक्षक ने कहा कि यदि आपको सफल होना है तो उसके लिए तीन चीजें बहुत आवश्यक हैं। तीव्र इच्छा, आस्था और अपेक्षा। इन तीनों शक्तियों को भली प्रकार समझाना और इन पर प्रभुत्व स्थापित करने से आप अपने जीवन में सफलता और अनुकूल परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इस बात का इनके मन पर गहरा प्रभाव पडा और वे बहुत ही लगन के साथ पढ़ाई करने लगे। घर की आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण अब्दुल कलाम जी को अपनी प्रारम्भिक शिक्षा जारी रखने के लिए अखबार वितरित करने का काम करना पडा। जब अब्दुल कलाम जी पॉचवीं कक्षा में थे तब एक दिन इनके शिक्षक पक्षियों के उड़ने के विषय में जानकारी दे रहे थे तभी छात्रों को समझ नहीं आया तो अध्यापक सभी को समुन्द्र के किनारे ले गये और वहॉ उड़ते हुए पक्षियों को प्रत्यक्ष रूप से दिखा कर भली भॉति समझाया तभी कलाम जी ने इन पक्षियों को देख कर तय कर लिया कि मुझे भी भविष्य में विमान उड़ाने हैं। अर्थात मैं विमान विज्ञान में जाकर वैज्ञानिक बनूगॉ। अब्दुल कलाम जी सुबह चार बजे गणित का ट्यूशन पढ़ने जाते थे क्यो कि गणित के अध्यापक सुबह के समय ही ट्यूशन पढ़ाते थे।

अब्दुल कलाम जी ने सन 1950 में मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अंतरिक्ष विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। स्नातक हो जाने के बाद इन्होने हावरक्राप्ट परियोजना पर काम करने के लिए भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास संस्थान में प्रवेश लिया। सन 1962 में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधन में आये जहॉ उन्होने सफलता पूर्वक कई उपग्रह प्रक्षेपित करने में अपनी भूमिका निभाई। जिसमें रोहिणी उपग्रह जुलाई 1982 में अंतरिक्ष में सफलता पूर्वक प्रक्षेपित किया गया जब अब्दुल कलाम जी क्त्क् के डारेक्टर बन गए तब इंटीग्रटेड गाइडेड मिशाइल डवलपमेंट प्रोग्राम को सफलतापूर्वक शुरू किया गया। अग्नि ,पृथ्वी और आकाश के प्रक्षेपण में अब्दुल कलाम जी ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।सन 1997 में अब्दुल कलाम जीको विज्ञान एवं भारतीय रक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए भारत के सबसे बड़े सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया। 2002 में अब्दुल कलाम जी ने भारत के राष्ट्रपति के पद की शपथ ली अब्दुल कलाम जी को भारत सरकार से कई सम्मान व अवार्ड भी प्राप्त हुए। अब्दुल कलाम जी ने कुछ समय के लिए अध्यापक के रूप में भी कार्य किया। 27 जुलाई 2015 को एम. आई. टी. शिलॉग में एक फंक्शन के दौरान व्याख्यान देते समय अब्दुल कलाम जी की तबीयत अचानक से खराब हो गयी। तभी गंभीर दिल का दौरा पड़ने से डॉ ए. पी. जे. अब्दुल कलाम जी इस संसार को अलविदा कह गये।

## अध्ययन के उद्देश्य

- डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी के शिक्षा सम्बन्धी विचारों का अध्ययन करना।

- वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली के परिपेक्ष्य में डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी की प्रासांगिकता पर विचार करना।
- इस अध्ययन के आधार पर प्रचलित शिक्षा प्रणाली में सुधार हेतु उपयोगी सुझााव देना ।

## अध्ययन की विधि

प्रस्तुत अध्ययन में एतिहासिक दार्शनिक तथा विश्लेषणात्मक विधि का सहारा लिया गया।

## अध्ययन का सीमांकन

अध्ययन के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु किसी भी शोध कार्य का विस्तृत एवं व्यापक होना स्वभाविक है। जिसे सूक्ष्म या संकुचित करना अति आवश्यक होता है प्रत्येक शोध की विशेषताओं के साथ कुछ सीमायें भी होती हैं। प्रस्तुत शोध को शोधार्थिनी ने निम्न लिखित सीमाओं के साथ सम्पादित किया है।

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी के शिक्षा सम्बन्धी विचारों को ही विश्लेषित किया जायेगा।

शोध की समय सीमा एवं शोध की विषयवस्तु को देखते हुए किसी अन्य विद्वान अथवा दार्शनिक विचारधारा के साथ तुल्नात्मक अध्ययन नहीं किया जायेगा।

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी के शैक्षिक विचारों को, शिक्षा के उद्देश्य, विधियॉ, शिक्षक–शिक्षार्थी सम्बन्ध, विद्यालय एवं भाषा, पाठ्यक्रम, स्त्री शिक्षा आदि पर केन्द्रित किया जायेगा।

## डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी के शैक्षिक विचार

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी एक महान विचारक प्रबुद्ध विद्वान उच्च कोटि के इंसान, संवेदनशील लेखक, बच्चों के प्रिय शिक्षक, महान कवि, भारत के पूर्व राष्ट्रपति तथा मिशाइल मैन आदि अनेक रंगों से भरपूर्ण व्यक्तित्व वाले थे। उनके शैक्षिक विचार जो कि वर्तमान में शिक्षक शिक्षर्थी के लिए एक उच्च प्रकार की प्रेरणा का कार्य कर रहे हैं।

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी कहते थे कि बालक को इस प्रकार की शिक्षा दी जाये जिससे बालक के समग्र विकास का उदृदेश्य पूरा हो सके।

शिक्षा ऐसी हो जिससे प्रत्येक बालक को अपनी सभी शक्तियों के संतुलन करने एवं सामजंस्य पूर्ण जीवन जीने का पूरा मौका मिलना चाहिए

अब्दुल कलाम जी का विचार था कि शिक्षा का अर्थ सीखना और सिखाने की प्रक्रिया, महत्वपूर्ण निर्णय लेने की क्षमता, विवेक तथा समझदारी आदि सभी के अलावा सबसे बड़ी बात है कि शिखा एक पीड़ी से दूसरी पीड़ी तक संस्कृति का बोध कराती है। इतिहास गवाह है कि संसार में कितनी भी अशान्ति, युद्ध आदि मुसीबतें आयी हों और आगे भी आयेगी लेकिन हर बार उदार शिक्षा के माध्यम से मानव को एक नया दृष्टिकोण मिलता है। शिक्षा ही है जो जीवन को स्व उपचार पद्धति के रूप में देखना सिखाती है।

कलाम साहब का मानते थे कि शिक्षा शास्त्रियों में स्कूल व स्कूली शिक्षा के प्रति नया दृष्टिकोण विकसित हो स्कूल में ऐसे परिवेश की कल्पना की जाये जिससे छात्र सीखने के नए तरीको को अपना कर स्वं ही सीखने के काबिल बन जाये और शिक्षा को व्यवहारिक रूप से प्राप्त कर सकें। स्कूल छात्रों में यह गुण पढने के तौर तरीकों से ही विकसित किया जा सकता है।

कलाम साहब का कहते थे कि शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को इस प्रकार के सॉचे में ढ़ालन है। जिससें वे आजीवन स्वतन्त्र विद्यार्थी बने रहें। शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ पाना नहीं बल्कि व्यक्ति विशेष को आर्थिक व सामाजिक दृष्टिकोण से एक आरामदायक व शन्तिपूर्ण जीवन प्रदान करना है। यह बात छात्रों को समझाना ही शिाक्षा का उद्देश्य होना चाहिए।

कलाम साहब का विचार था कि युवाओं को सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने के लिए प्रत्येक सप्ताह हर स्कूल में एक घण्टे की एक कक्षा आयोजित की जाए, जिसमें हम अतीत और वर्तमान के बारे में एक आदर्श व्यक्तित्व एवं आदर्श नागरिक के लिए आवश्यक गुणों पर चर्चा की जा सके।

शिक्षा का मुख्य उद्देश्य व्यक्ति विशेष में छिपी उसकी सृजनात्मकता को बाहर निकालना और उसे और अधिक निखारना है।

एक सम्बोधन में कलाम साहब ने कहा कि शिक्षा द्वारा देश का विकास सम्भव है क्यों कि केरल और तमिलनाडु में जनसंख्या में गिरावट का मुख्य कारण साक्षरता का विकास ही है। इसे अन्य राज्यों में सहायता पूर्वक दौहराने की बहुत अधिक अवश्यकता है।

कलाम साहब का मानना था कि हमारे पास भारत को ज्ञान के क्षेत्र में महाशक्ति बनाने के लिए सभी संसाधन उपलब्ध है प्रचीन समय में भी भारत ज्ञान का भण्डार था इसलिए आज भी अमेरिका जेसै विकसित देश अपनी सॉफटवेयर सम्बन्धी आवश्यकताओं की पूरा करने के लिए भरत की तरफ देख रहे है।

कलाम साहब का मानते थे कि शिक्षा एक शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का स्तम्भ है। बौद्धिक समाज में बौद्धिक क्षमता प्रभावित होती है इसलिए शिक्षा के क्षेत्र में अत्यन्त ध्यान देना आवश्यक है। वर्तमान समय में भारत का 100 प्रतिशत साक्षरता का लक्ष्य होना चाहिए।

## शिक्षण विधि

कलाम साहब ने कहा कि शिक्षा को व्यवहारिक व क्रियाशील बनाने के लिए शिक्षा के शिक्षा में प्रायोगिक कार्यों को शामिल किया जाए। अर्थात अब्दुल कलाम जी ने प्रयोगात्मक एवं कियात्मक विधि को अधिक महत्व दिया।

## विद्यालय एवं भाषा

कलाम साहब का मानते थे कि विद्यालय में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर पर अनिवार्य रूप से मातृभाषा का होना अवश्यक है और कॉलेज तथा उससे आगे अग्रेजी भाषा का होना अवश्यक है। वैश्विक स्तर पर सम्पर्क के लिए हमें अग्रेजी जैसी एक सम्पर्क भाषा की नितांत आवश्यकता है।

## शिक्षक और शिक्षार्थी सम्बन्ध

प्राचीन काल में गुरू शिष्य प्रणाली में गुरू शिष्य के मध्य आत्मीयता का सम्बन्ध हुआ करता था उसी प्रकार वर्तमान में भी शिक्षक शिक्षार्थी के मध्य परस्पर वैक्तिक निकटता उत्पन्न करने का लक्ष्य होना चाहिए। वही अच्छा शिक्षक है जो एक आदर्श नागरिक का निर्माण करे।

## स्त्री शिक्षा

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी ने स्त्री शिक्षा पर विशेष बल दिया था। उनका विचार था कि स्त्री न केवल एक पत्नी, बहन और माता ही है वरन् वह मानव निर्माण करने वाली समाज की नेता तथा ईश्वर की सर्वोत्तम कृति है। उन्होने पुरूषों की भॉति स्त्री शिक्षा को भी बहुत अधिक महत्वपूर्ण माना है वे कहते हैं कि दोनों के अन्दर समान बौद्धिक क्षमता होती है अर्थात पुरूष और स्त्री में किसी भी तरह का कोई भेद नहीं है।

## डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी के शैक्षिक विचारों की वर्तमान शिक्षा के परिपेक्ष्य में प्रासांगिकता

अब्दुल कलाम जी कहते है कि उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रम में व्यक्ति को एक स्वतन्त्र शिक्षार्थी बनने की आवश्यकता है जो वर्तमान परिपेक्ष्य में बहुत जरूरी है। कोरोना महामारी में विद्यार्थी

को स्वं प्रेरित होकर स्वतन्त्र शिक्षार्थी बनकर अपनी शिक्षा को लगातार आगे बड़ाने की आवश्यकता हैं।

वर्तमान में हमारी शिक्षा व्यवस्था कुछ ऐसी हो जिससे व्यक्ति विशेष में नवीनता, रचनाशीलता, मौलिकता, नैतिकता, तथा उद्यमशीलता जैसे कौशलों का विकास हो सके।

एक छात्र के प्रश्न का उत्तर देते हुऐ अब्दुल कलाम जी ने कहा कि स्कूलों में बच्चों के लिए "राष्ट्र के लिए संकल्पना" विषय के बारे में अवश्य पड़ाया जाना चाहिए।

अब्दुल कलाम जी के अनुसार छात्रों के बस्ते के बोझ को कम करने के लिए छात्रों को कम्प्यूटर शिक्षा का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है और भविष्य में कभी किसी परिस्थितवश यदि छात्र विद्यालय आने में असमर्थ हों तो डिजिटल शिक्षा के माध्यम से पाठ्यक्रम को पढ़ सकें। जो वर्तमान में इस कोरोना महामारी में भी बहुत आवश्यक है कलाम जीी कहते थे कि छात्रों के लिए ऐसा नन्हा कम्प्यूटर बनाया जाए जिससे वे पढ़ सकें और उन्है बस्ते के बोझ से निजात मिल सके।

**दूरवर्ती शिक्षा को महत्वः** यह एक ऐसी शिक्षा है जिसके माध्यम से देश के हर कौने में प्रत्येक नौजवान को उत्तम शिक्षा उपलब्ध हो सके।

**ऑनलाइन शिक्षा को महत्वः** पाठ्यक्रम की विषय वस्तु को इंटरनेट के माध्यम से कहीं भी पहुॅचाया जा सकता है। वर्तमान भारत में यह बहुत आवश्यक है आज विश्व के अधिकतर देश कोविड 19 महामारी से प्रभावित हैं। जिसने शिक्षा के पूरे तन्त्र को बुरी तरह झकझौर कर रख दिया है। इससे बचने के लिए ई–लर्निंग ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी ने पुस्तकालय को भी डिजिटल बनाने की बात कही । जिससे पूरे विश्व में शिक्षार्थियों को स्वतन्त्र अध्ययन करने के लिए पुस्तकें आसानी से उपलब्ध हो सकें। डिजिटल पुस्तकालय के लिए टेली एजूकेशन सॉफटवेयर एक महत्वपूर्ण साधन हो सकता है।

महाविद्यालयों में कम्प्यूटर, इंटरनेट, प्रयोगशाला आदि उपकरण उपलब्ध होने चाहिए। छात्रों को ऐसा वातावरण मिलना चाहिए जिससे उनकी कार्य क्षमता में वृद्धि हो सके और उनकी उद्यमशीलता का विकास हो।

डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम जी ने अपनी पुस्तक "मेरे सपनों का भारत" में कहा है कि किसी भी मिशन की सफलता के लिए हमें अदम्य उत्साह वाले नेताओं की आवश्यकता है यहबात प्रत्येक शैक्षिक केन्द्र को ध्यान में रखनी चाहिए। वर्तमान में भी जरूरी है किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दृढ़ इच्छा शक्ति का होना जिसके द्वारा किसी भी परिस्थिति में किसी भी समस्या से लड़ा जा सकता है।

अब्दुल कलाम जी की पुस्तक "हम होंगे कामयाब " में लिखा है – जिज्ञासा व्यक्ति के लिए बहुत आवश्यक है। जिज्ञासा से छात्र तथा शिक्षक दोनों को ही लाभ होता है।

## सन्दर्भ सूची


1. डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम, "मेरे सपनों का भारत"।
2. डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम, "हम होंगे कामयाब"।
3. शर्मा, महेश. 2020, राष्ट्र गौरवः डॉ. अब्दुल कलाम ।
4. तिवारी, अरूण. 2019, अग्नि की उड़ान, प्रभात प्रकाशन।
5. खान, एस.एम. 2016, द् पीपल्स प्रेसीडेन्टः डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम, ब्लूमसबरी पब्लिशिंग इन्डिया।
6. भार्गव, सुरेखा. 2015, कलाम सर के सक्सेज पाठ।
7. वाजपेयी, अटल बिहारी. 2011, ए.पी.जे अब्दुल कलामः जीवन वृक्ष, प्रभात प्रकाशन नई दिल्ली।
8. सिंहल, साची. 2009, ए.पी.जे अब्दुल कलाम, ससाहित्य प्रकाशन 205 वी चावडी बाजार दिल्ली।
9. शिक्षक दिवस, 2003, के पूर्व संध्या आकाशवाणी प्रसारण।
10. अंगुत्तर निकाय, पद 159, उदामी सूत्र बोद्ध धर्म , शिक्षक के पॉच गुण।
11. https://www.hindikiduniya.com
12. https://storyevealers.com
13. https://www.britannica.com
14. https://hinditheenianwir.com
15. https://hi.m.wikipedia.org
16. https://navbharattmes:indiatime.com